हमें श्याम ना मिला,

सुन राधिका दुलारी,
मैं हूँ द्वार का भिखारी,
तेरे श्याम का पुजारी,
एक पीड़ा है हमारी,
हमें श्याम न मिला,
हमें श्याम न मिला।।

हम समझे थे कान्हा कही,
कुंजन में होगा,
अभी तो मिलन का हमने,
सुख नहीं भोगा,
ओ सुनके प्रेम कि परिभाषा,
मन में बंधी थी जो आशा,
आशा भई रे निराशा,
झूटी दे गया दिलाशा,
किसी गैर ना मिला,
किसी गाँव ना मिला,
हमें श्याम न मिला,
हमें श्याम न मिला।।

देता है कन्हाई जिसे,
प्रेम कि दीक्षा,
सब विधि उसकी लेता,

भी है परीक्षा,
ओ कभी निकट बुलाये,
कभी दूरियाँ बढ़ाये,
कभी हंसाये रुलाये,
छलिया हाथ नहीं आये,
अपनी प्रीत का कोई,
परिणाम ना मिला,
हमें श्याम न मिला,
हमें श्याम न मिला।।

ओ अपना यहाँ जिसे,
कहे सब कोई,
उसके लिए मैं,
दिन रात रोई,
ओ नेह दुनिया से तोड़ा,
नाता सांवरे से जोड़ा,
उसने ऐसा मुख मोड़ा,
हमें कही का ना छोड़ा,
हमने मन तो दिया,
मन का दाम ना मिला,
हमें श्याम न मिला,
हमें श्याम न मिला।।

हम तुम दोनों एक,
पथ के बटोही,
हाय रे हमारा श्याम,
पिया निर्मोही,
ओ जिया से पिया नहीं जाए,

पिया बिन जिया नहीं जाए,
दोष दिया नहीं जाए,
रोष किया नहीं जाए,
हमें तज के ये काम,
कोई काम ना मिला,
हमें श्याम न मिला,
हमें श्याम न मिला।।

सुन राधिका दुलारी,
मैं हूँ द्वार का भिखारी,
तेरे श्याम का पुजारी,
एक पीड़ा है हमारी,
हमें श्याम ना मिला,
हमें श्याम न मिला।।

स्वर श्री गौरव कृष्ण जी शास्त्री।
प्रेषक शिव कुमार शर्मा।
9923347650

Source: https://www.bharattemples.com/hame-shyam-na-mila-bhajan/

Bharat Temples

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw